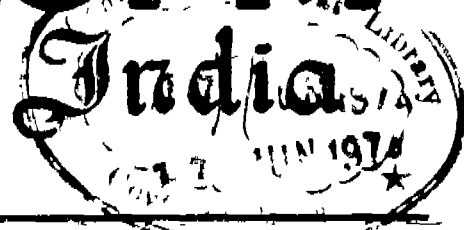




# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 12, 1974 (पौष 22, 1895)  
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 12, 1974 (PAUSA 22, 1895)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किये गये हैं ।—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 28th February 1973 :—

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
--------------	--------------------------------	-----------------------------------	-----------------

—शून्य—

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम माग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी ।  
माग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए ।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil  
Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*

## विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

23

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरो की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

33

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

—

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरो की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

33

भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

\*

भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयको सबधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें

\*

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (सघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं।)

\*

भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (सघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं

\*

भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश

\*

भाग III—खंड 1—महिलेखा परीक्षक, सघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा सलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

33

भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस

23

भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं

1

भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

7

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस

5

पूरक संख्या 2—

5 जनवरी, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सबधी साप्ताहिक रिपोर्टें

25

22 दिसम्बर 1973 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उसमें अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु-सम्बन्धी आंकड़े

37

## CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

23

PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

33

PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence

PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence

33

PART II—SECTION 1.—Acts Ordinances and Regulations

\*

PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills

\*

PART II—SECTION 3—SUB SEC (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

\*

PART II—SECTION 3—SUB SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence

PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India

33

PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta

23

PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners

1

PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

7

PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies

5

SUPPLEMENT No 2

Weekly Epidemiological Reports for week ending 5th January, 1974

25

Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 22 December 1973

37

## भाग 1—खण्ड I

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1974

सं० 1-प्रेज/74—राष्ट्रपति बृहत्तर बम्बई पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री पृथ्वीराज के० चांदगुडे, (स्वर्गीय)  
पुलिस उप निरीक्षक, मेलेक्शन ग्रेड,  
बृहत्तर बम्बई पुलिस दल,  
बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री रणजीत सिंह मोतीलाल राने (स्वर्गीय)  
कांस्टेबल, बकल सं० 13368/जी,  
बृहत्तर बम्बई पुलिस दल,

श्री जोसेफ ईसाक सेमसन,  
पुलिस उप निरीक्षक,  
बिस्मिली पुलिस थाना,  
बृहत्तर बम्बई पुलिस दल,  
बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री राम नारायण दुबे,  
वायरलेस ओपरेटर,  
आर० टी० पी० सी०, सं० 12338/डब्ल्यू,  
बृहत्तर बम्बई पुलिस दल,  
बम्बई (महाराष्ट्र)।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

श्री रणजीत सिंह मोतीलाल राने को गोदरेज क्रीकसाइड कालोनी में, जहां शान्ति भंग होने का आदेश था, तैनात किया गया था। सायं 5.30 बजे जब एक राजनैतिक दल से संबंधित कार्यकर्ताओं का एक दल अपने दल के एक सदस्य से मिलने के लिए कालोनी पहुंचा तो एक उपद्रवी भीड़ ने उस पर आक्रमण कर दिया। जब पुलिस ने हस्तक्षेप किया तो अनियंत्रित भीड़ ने, जो घातक हथियारों से लैस थी, उन पर भी आक्रमण किया। उप-निरीक्षक श्री पृथ्वीराज के० चांदगुडे घायल हो गए। जब उन्होंने देखा कि स्थिति किसी और तरह काबू में नहीं लाई जा सकती तो उन्होंने गोली चला दी। अग्नि-यास्त्रों को अप्रभावकारी देखकर उन्होंने श्री पी० आर० मुले को पुलिस स्टेशन से कुमक मंगवाने का आदेश दिया। भीड़ के आक्रोश

से भयभीत हुए बिना उप-निरीक्षक चांदगुडे ने उन्हें लगातार उलझाए रखा। जब एक पुलिस कांस्टेबल पर गैती द्वारा प्रहार किया गया तो उप-निरीक्षक चांदगुडे सहायता के लिए तुरन्त उसके पास गए। मुठभेड़ में उप-निरीक्षक चांदगुडे को घातक चोटें लगी और अत्यधिक खून निकल जाने से उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस दल के सदस्य श्री रणजीत सिंह मोतीलाल राने पर भी भीड़ ने आक्रमण किया और उन्हें भी घायल कर दिया। यह वीर कांस्टेबल यद्यपि घायल हो गया परन्तु हताश नहीं हुआ। जब उन्होंने देखा कि एक पुलिस कांस्टेबल पर पीछे से घातक हथियार द्वारा आक्रमण किया जा रहा है तो वे उसे बचाने के लिए दौड़े और पुनः भीड़ के कोपभाजन बने। भीड़ ने उन्हें घातक रूप से घायल कर दिया और वे अपने साथी को बचाते हुए वीर गति को प्राप्त हुए।

श्री जोसेफ ईसाक सेमसन उस पुलिस दल के एक सदस्य थे जो गोदरेज क्रीकसाइड कालोनी में एक अनियंत्रित भीड़ जो वहां एकत्र हो गई थी को तितर-बितर करने के लिए गया था। श्री सेमसन ने बदला लेने पर उतारू भीड़ से एक व्यक्ति को बचाया और उसे एक सुरक्षित स्थान पर ले आए। इस प्रक्रिया में वे स्वयं घायल हो गए। तभी उन्होंने देखा कि लोगों का एक दल पुलिस निरीक्षक श्री कदम की ओर तेजी से बढ़ रहा था। श्री सेमसन ने भीड़ को दूर रखने के लिए गोली चलाई ताकि पुलिस निरीक्षक अपने वाहन की ओर जा सकें। श्री सेमसन ने एक और उप-निरीक्षक की सहायता की जिस पर भीड़ ने आक्रमण कर दिया था और उसे स्वयं उठाकर पुलिस गाड़ी में ले आए। ऐसा करते समय उन्हें भी भीड़ के आक्रमण के परिणाम भुगतने पड़े और वे गम्भीर रूप से घायल हो गए।

श्री राम नारायण दुबे, गोदरेज क्रीकसाइड कालोनी में चलते फिरते वायरलेस वाहन के जिसे उस क्षेत्र में गश्त पर तैनात किया गया था, वायरलेस ओपरेटर थे। उन्होंने खूब भीड़ की गतिविधियों की परवाह न करते हुए नियंत्रण-कक्ष को अपने चारों ओर हो रही घटनाओं का सही विवरण भेजा। उपद्रवी भीड़ ने उन पर भी लाठियों तथा लोहे की छड़ों से आक्रमण किया। जबकि वायरलेस वाहन में तैनात पुलिस के अन्य सदस्य सुरक्षित स्थान के लिए निकल भागे, श्री दुबे अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए नियंत्रण-कक्ष को संदेश भेजते रहे। श्री दुबे की पीठ पर गहरा घाव हो गया फिर भी उन्होंने अपना स्थान नहीं छोड़ा। अचेत हो जाने तक वे नियंत्रण-कक्ष को संदेश भेजते रहे।

उपर्युक्त सभी पुलिस अधिकारियों ने उपद्रवी भीड़ से निपटने में उत्कृष्ट वीरता तथा उच्च कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 सितम्बर, 1972 से दिया जाएगा।

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1974

सं० 2-प्रेज/74—राष्ट्रपति बृहत्तर बम्बई पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री बालकृष्ण भीकाजी राव कदम,

पुलिस इन्स्पेक्टर,

(स्थानापक्ष)

बृहत्तर बम्बई पुलिस दल,  
बम्बई।

श्री पुरुषोत्तम राजाराम मुले,

सब-इन्स्पेक्टर,

बृहत्तर बम्बई पुलिस दल,  
बम्बई।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

2 सितम्बर, 1972 को जब गोदरेज श्रीकसाइड कालोनी में दंगे भड़क उठे, तो स्थिति से निपटने के लिए पुलिस दल के साथ श्री बालकृष्ण भीकाजी राव कदम तुरन्त कालोनी में पहुंचे। उन्होंने न केवल दंगों को ही दबाया बल्कि उन राजनैतिक कार्यकर्ताओं को भी, जिन पर उपद्रवी भीड़ ने आक्रमण किया था, बचाया। भीड़ से निपटते समय उनके चेहरे पर चोटें लगीं और वे जमीन पर गिर पड़े। पास में खड़े श्री सैमसन ने उनको बचाया और पुलिस वाहन में ले गए। परन्तु जब उन्होंने देखा कि पुलिस की पूरी कोशिश के बावजूद उपद्रवी तितर-बितर नहीं हो रहे हैं तो उन्होंने पुनः अपना रिवाल्वर भरा अपनी चोटों की परवाह न करते हुए भीड़ से निपटने के लिए वापिस चले गए। उन्होंने 6 राउण्ड चलाए और भीड़ को उस समय तक रोके रहे जब तक कि वे स्वयं न गिर गए।

2 सितम्बर, 1972 को जब श्री पुरुषोत्तम राजाराम मुले सायं 5.30 बजे अपनी ड्यूटी से बिछरौली थाने में वापस लौटे तो उनको मालूम हुआ कि श्री कदम तथा अन्य पुलिस अधिकारी गोदरेज श्रीकसाइड कालोनी गए हुए हैं। वे अपनी मोटर साइकिल पर तेजी से गए और उक्त पुलिस दल में जा मिले। श्री मुले तथा अन्य पुलिस कर्मचारियों ने भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की परन्तु वे सफल न हुए। कालोनी के एक निवासी को छुड़ाने के लिए जिसको सब इन्स्पेक्टर सैमसन ने गिरफ्तार किया था, भीड़ ने श्री सैमसन पर हमला कर दिया। श्री मुले ने गिरफ्तार व्यक्ति को सम्भाल लिया और उसे पुलिस वाहन तक घसीट ले गए। क्रुद्ध भीड़ ने उन पर पथराव किया परन्तु अपनी चोटों की परवाह न करते हुए उन्होंने पहले सब इन्स्पेक्टर श्री चांदगुडे की सहायता की फिर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए अपनी रिवाल्वर से गोली चलाई। परन्तु दो गोली चलाने के बाद रिवाल्वर जाम हो गया। भीड़ ने उनकी मोटर साइकिल को आग लगा दी। परन्तु इसकी परवाह न करते हुए वे

पैदल ही और कुमुक लाने के लिए थाने की ओर तेजी से गए। जब अधिकांश पुलिस अधिकारी तथा सिपाही सम्भोर रूप से घायल हो गए तथा गिर गए तो श्री मुले ने स्थिति संभाली तथा पुलिस को गोली चलाने का आदेश दिया जो प्रभावी गिड़ हुआ और भीड़ तितर-बितर हो गई।

श्री बालकृष्ण भीकाजी राव कदम तथा श्री पुरुषोत्तम राजाराम मुले दोनों ने उपद्रवी भीड़ को तितर-बितर करने में साहस, पहलशक्ति, उच्चकोटि की वीर्य-परायणता तथा सूझ-बूझ का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 सितम्बर, 1972 से दिया जाएगा।

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1974

सं० 3-प्रेज/74—राष्ट्रपति कलकत्ता सशस्त्र पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मनोरंजन सिंह,

हवलदार, बी-कम्पनी,

1 ली बटालियन,

कलकत्ता सशस्त्र पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

21 मार्च, 1972 को श्री मनोरंजन सिंह सादे कपड़ों में रेल में यात्रा कर रहे थे। रात को 9.25 बजे जब रेलगाड़ी दमदम स्टेशन पर पहुंची तो चार कुकर्मियों उस डिब्बे में घुस आए जिसमें श्री मनोरंजन सिंह यात्रा कर रहे थे। ज्यों ही गाड़ी दमदम स्टेशन से चली, कुकर्मियों ने भोजाली तथा रिवाल्वर निकाल लिए और यात्रियों से उनकी मूल्यवान वस्तुएं मांगने लगे। यात्री भयभीत हो गए और उनमें से बहुतों ने कुकर्मियों की अपनी घड़ी बटुए तथा अन्य मूल्यवान वस्तुएं दे दीं। जब वे हवलदार मनोरंजन सिंह के पास आए तो उन्होंने उनका विरोध किया। एक कुकर्मियों ने भोजाली से श्री मनोरंजन सिंह के सिर पर प्रहार किया जिसके परिणामस्वरूप वे गम्भीर रूप से घायल हो गए। परन्तु अपने घाव की परवाह न करते हुए उन्होंने एक कुकर्मियों को पकड़ लिया और उसमें भोजाली छीन कर उसे मारा। इससे डिब्बे में बैठे अन्य यात्रियों को प्राण्माह्न मिला और वे उनकी सहायता करने दौड़े। दो कुकर्मियों को पकड़ लिया गया तथा दो भाग गए।

श्री मनोरंजन सिंह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए घातक हथियारों से लैस दो कुकर्मियों को पकड़ने में अदम्य साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 मार्च, 1972 से दिया जाएगा।

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1974

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

सं० 4-प्रेज०/74—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

डा० गोविन्द प्रसाद गुप्त,  
सहायक कमाण्डर,  
सीमा सुरक्षा दल,  
बन्दीपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

दिसम्बर, 1971 में डा० गोविन्द प्रसाद गुप्त को सूचना मिली कि मिनीमर्ग में शत्रु के मोर्चा पर छापा मारने के लिये भेजे गए व्यक्तियों में से बहुत सारे लोग कड़ी ठंग के कारण बीमार पड़ गए हैं। यह सूचना मिलने पर डा० गुप्त निजी खतरे की परवाह न करते हुए दावर गये और फिर वहाँ से 35 मील पैदल चल कर सभी बीमार व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की। 16 फरवरी, 1972 को पुनः जब यह सूचना मिली कि 61वीं बटालियन के चार व्यक्ति जस्मिन क्षेत्र में बर्फीले तुफान में फंस गये हैं तो डा० गुप्त हेलिकॉप्टर में दावर गये और वहाँ से उन्होंने जस्मिन तक की पैदल यात्रा की। वहाँ उन्होंने घायल कास्टेबल की मरहूम पट्टी की और उसे नीरू लाये जहाँ से उसे बड़े अस्पताल में भेजा गया। 1972 में भी जब सीमा सुरक्षा दल की 60वीं बटालियन लेक्स क्षेत्र में शत्रु के साथ संघर्ष में संलग्न थी और कोई डाक्टर इस भयानक तथा जलवायु की दृष्टि से कठिन क्षेत्र में जाने को तैयार नहीं था तो डा० गुप्त बटालियन में गये और शत्रु की भारी गोलाबारी की परवाह न करते हुए उन्होंने सड़ाई में घायल हुए सभी व्यक्तियों की चिकित्सा की। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए वे गोत्री क्षेत्र में गये और उन्होंने सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

डा० गोविन्द प्रसाद गुप्त ने बहुत कठिन परिस्थितियों में सीमा सुरक्षा दल के घायल कर्मचारियों को चिकित्सा सहायता देने में उत्कृष्ट साहस और उच्च कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है।

सं० 5-प्रेज०/74—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री श्यामल चन्द्र कुण्ड,  
पुलिस निरीक्षक (स्थानापन्न)  
नादिया जिला,  
पश्चिम बंगाल।

3 मई, 1972 को दोपहर 1 बज कर 45 मिनट पर श्री श्यामल चन्द्र कुण्ड को सूचना मिली कि शान्तिपुर थाने के अन्तर्गत कण्डोखाला के निकट एक अमराई में कुछ सशस्त्र उग्रपंथी जमा हैं। श्री कुण्ड ने तुरन्त केन्द्रीय आरक्षित पुलिस व जिला पुलिस के उपसब्ध कर्मचारियों को एकत्र किया और उग्रपंथियों के छुपने के स्थान की ओर चल दिये। अमराई में पहुँच कर श्री कुण्ड ने पुलिस दल को तीन टुकड़ियों में विभाजित किया। इन टुकड़ियों में से दो को अमराई के चारों ओर के क्षेत्र की तलाशी लेने को कहा गया और श्री कुण्ड ने बीच के मोर्चे से स्वयं कार्य संचालन किया। जब पुलिस दल उस क्षेत्र की तलाशी ले रहे थे, 6 सशस्त्र उग्रपंथियों ने, जो झाड़ियों में छुपे हुए थे, पुलिस दल पर गोली चला दी और हथगोले भी फेंके। उस क्षेत्र की तलाशी लेने वाले दलों के साथ कुछ समय गोलाबारी के बाद उग्रपंथियों ने झाड़ियों के बीचसे बच कर भाग निकलने का प्रयत्न किया। श्री कुण्ड के पीछा करने पर उग्रपंथियों ने अमराई में वृक्षों के पीछे मोर्चा लगाया और श्री कुण्ड के नेतृत्व वाले पुलिस दल पर गोली चलाना शुरू कर दिया। पुलिस दल ने जवाब में गोली चलाई। जिस साहस के साथ श्री कुण्ड ने अपने जवानों का नेतृत्व किया उसके परिणामस्वरूप 4 उग्रपंथी मारे गये। कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ।

उग्रपंथियों के साथ मुठभेड़ में श्री श्यामल चन्द्र कुण्ड ने अनुकरणीय साहस तथा कर्तव्य-निष्ठा का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 मई, 1972 से दिया जायेगा।

सं० 6-प्रेज०/74—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री भूपेन्द्र मोहन चन्दा,  
पुलिस उपनिरीक्षक,  
नादिया जिला,  
पश्चिम बंगाल।

श्री बादल चन्द्र सिन्हा,  
पुलिस सहायक उप-निरीक्षक (स्थानापन्न)  
नादिया जिला,  
पश्चिम बंगाल।

श्री डाल चन्द बान्मिकी,  
पुलिस सहायक उप-निरीक्षक,  
नादिया जिला,  
पश्चिम बंगाल।

श्री कुमारेश चन्द्र विस्वास,  
कांस्टेबल सं० 1348,  
नादिया जिला,  
पश्चिम बंगाल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

3 मई, 1972 को दोपहर 1 बज कर 45 मिनट पर शान्तिपुर के सर्किल पुलिस निरीक्षक श्री जयमल चन्द्र कुण्डू को सूचना मिली कि शान्तिपुर थाने के अन्तर्गत कण्डोखोला के निकट एक अमराई में कुछ सशस्त्र उग्रपंथी जमा हैं । श्री कुण्डू ने उपलब्ध पुलिस दल एकत्र किया और उग्रपंथियों के छुपने के स्थान की ओर बढ़े । अमराई में पहुंचने पर श्री कुण्डू ने पुलिस दल को तीन टुकड़ियों में विभाजित किया । इन तीन टुकड़ियों में से शान्तिपुर थाने के श्री बादल चन्द्र सिन्हा और श्री भूपेन्द्र मोहन चन्दा के नेतृत्व वाली दो टुकड़ियों को आम के बाग के चारों ओर के क्षेत्र की तलाशी लेने को कहा गया । जब वे उम क्षेत्र में खोज कर रहे थे, तब उग्रपंथियों ने गोलीयाँ चलाई तथा हथगोले फेंके । श्री भूपेन्द्र मोहन चन्दा के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने जवाब में गोली चलाई । जबकि श्री चन्दा के नेतृत्व वाली टुकड़ी ने उग्रपंथियों को उलझाये रखा, श्री बादल चन्द्र सिन्हा की टुकड़ी ने उन्हें घेर लिया । उग्रपंथियों की भारी गोलीबारी का मुकाबला करने में चारों पुलिस अधिकारियों, श्री भूपेन्द्र मोहन चन्दा, श्री बादल चन्द्र सिन्हा, श्री डाल चन्द्र बाल्मिकी और श्री कुमारेश चन्द्र विस्वास ने सूझ-बूझ से काम लिया और गोलाबारी का प्रभावकारी उत्तर देकर चार उग्रपंथियों को मार दिया ।

उग्रपंथियों के साथ मुठभेड़ में उपर्युक्त चारों अधिकारियों ने अनुकरणीय साहस और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 मई, 1972 से दिया जाएगा ।

सं० 7-प्रेज०/74—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री कंवर सिंह,  
नायक सं० 66187454,  
17वीं, बटालियन,  
सीमा सुरक्षा दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

हैड कांस्टेबल भूर सिंह के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा दल की एक गश्ती दल 2 जनवरी, 1973 को कुख्यात तस्करों के एक ऐसे गिरोह को रोकने के लिए तैनात किया गया था जो पांचला सीमा बाढ़ चौकी के निकट पाकिस्तान से सीमा पार करके भारत में प्रविष्ट होने वाला था । लगभग 10 बजे जब सीमा

सुरक्षा दल का गश्ती दल जंटों के पांवों के निशानों के सहारे आगे बढ़ रहा था तो उसने लगभग 6-7 सौ गज की दूरी पर कुछ अजनबियों को देखा । गश्ती दल को तीन टुकड़ियों में विभाजित किया गया । दो टुकड़ियों को क्रमशः बाईं व दाईं ओर से तस्करों को घेरने का आदेश दिया गया । श्री कंवर सिंह के नेतृत्व वाली तीसरी टुकड़ी को पीछे की तरफ से आगे बढ़ने और तस्करों के वचकर निकलने वाले रास्ते की नाकाबन्दी करने का आदेश दिया गया । जब तीनों टुकड़ियों ने तस्करों को घेरना आरम्भ किया तो तस्करों ने गश्ती दल पर गोली चलाई जिसके जबाब में गश्ती दल ने भी गोली चलाई । श्री कंवर सिंह तस्करों के निकट पहुंचने व उपयुक्त स्थान प्राप्त करने के उद्देश्य से लगभग 50 गज की दूरी तक रेंगते हुए आगे बढ़े और आगे पहुंच कर एक तस्कर पर झपटे जो कि बाजू से सीमा सुरक्षा दल की गश्ती टुकड़ी पर गोली चला रहा था । श्री कंवर सिंह ने अपनी रायफल का कुन्धा तस्कर को मारा, उसे जमीन पर गिरा दिया तथा उसकी 303 की रायफल छीन ली । उसे निहत्था कर देने के बाद उन्होंने तस्करों के शेष दल पर गोली चलाई । इससे तस्कर भयभीत हो गये और इधर-उधर भागने लगे । अन्ततः इस कार्रवाई में 6 तस्कर पकड़े गये और लगभग 33,000 रुपये का तस्करी का सामान कब्जे में किया गया ।

श्री कंवर सिंह को, भागते हुए तस्करों का पीछा करने का भी काम सौंपा गया । तस्करों के साथ उनकी एक और मुठभेड़ हुई जिसके परिणामस्वरूप तस्कर एक भारतीय मुस्लिम महिला को छोड़ गये जिसका उन्होंने अपहरण किया था ।

श्री कंवर सिंह ने तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही में उत्कृष्ट वीरता तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 जनवरी, 1973 से दिया जायेगा ।

अशोक मिश्र,  
राष्ट्रपति के सचिव ।

#### मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

##### नियम

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1974

सं० 10/19/73-सी० एस०-II—मंत्रिमण्डल सचिवालय में कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 1974 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिए ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किये जाते हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख)-ग्रेड VI
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा-ग्रेड II
- (3) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड

- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (5) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (6) विशेष महानिरीक्षक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (7) उपर्युक्त सेवाओं के अन्तर्गत न आने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों तथा सम्बद्ध कार्यालयों में अवर श्रेणी लिपिक के पद ।

कोई उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी भी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए आवेदन कर सकता है । यदि वह चाहे तो उसे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की आरक्षित सूची में शामिल करने के लिए भी विचार किया जा सकता है । वह जितनी भी सेवाओं/पदों के लिए विचार करवाना चाहे उन सब का उल्लेख आवेदन-पत्र में करे ।

नोट :—उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार करवाना चाहते हैं, उनका प्राथमिकता क्रम स्पष्टतः लिखें । उम्मीदवार द्वारा प्रारम्भ में अपने आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के प्राथमिकता क्रम में परिवर्तन करने की किसी भी ऐसी प्रार्थना पर, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में परीक्षा की तिथि से तीन मास के अन्दर न मिल जाए, विचार नहीं किया जाएगा ।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या संस्थान द्वारा जारी की गई सूचना में निर्दिष्ट की जाएगी । भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण किया जाएगा ।

भूतपूर्व सैनिक का अर्थ उस व्यक्ति से है जो संघ की सशस्त्र सेना में किसी पद पर (चाहे लड़ाकू के रूप में रहा हो अथवा नहीं) निरन्तर 6 मास की अवधि तक रहा हो और दुराचार या अवक्षता के कारण पदच्युत या सेवा मुक्त किए जाने को छोड़कर अन्य किसी कारण से नौकरी से मुक्त कर दिया गया है ।

स्पष्टीकरण—इन नियमों के लिए “संघ की सशस्त्र सेना” में भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं शामिल होंगी, परन्तु निम्न सेनाओं के सदस्य शामिल नहीं हैं; अर्थात्

- (क) आसाम राइफल्स ;
- (ख) लोक सहायक सेना; तथा
- (ग) जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स ।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अर्थ उस किसी भी जाति/आदिम जाति से है जिसका उल्लेख ब्रम्हई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1956,

संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956, संविधान (अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा तथा नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा तथा नागर-हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन व दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 संविधान (गोवा, दमन व दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूचियाँ (संशोधन) आदेश, 1956, में हैं ।

3. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निहित विधि से किया जाएगा ।

परीक्षा की तारीखें और स्थान संस्थान द्वारा निर्धारित किये जाएंगे ।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा या
- (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से 2 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
- (च) ऐसा भारतीय मूल का व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बंगला देश, बर्मा, श्रीलंका, तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका व जंजीबार) से प्रव्रजित हुआ हो । परन्तु ऊपर की श्रेणी (ग), (घ), (ङ) और (च) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए ।

परन्तु निम्नलिखित में से किसी भी श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के मामलों में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा :—

- (1) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 से पहले पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित हुए और तभी से आमतौर पर भारत में ही रह रहे हैं ।
- (2) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 को या इसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रव्रजित हुए और भारत के संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन अपने को भारत के नागरिक पंजीकृत करा चुके हैं ।

(3) ऊपर की श्रेणी (च) के वे गैर-नागरिक जो संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आ गए और तभी से लगातार उस सेवा में हैं। परन्तु जो व्यक्ति सेवा भंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उस सेवा में फिर आया हो अथवा फिर आए, उसे औरों की भांति पात्रता प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक होगा।

इसके अतिरिक्त एक शर्त यह भी है कि उपर्युक्त श्रेणी (ग), (घ) तथा (ङ) के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड VI में नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है तथा अन्तिम रूप से उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है कि उसे सरकार आवश्यक प्रमाण पत्र दे दें।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का सदस्य न हो, या संघ राज्य क्षेत्र पाँडिचेरी का निवासी न हो या संघ राज्य क्षेत्र गोवा/दमन तथा दीव का निवासी न हो, या केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके न आया हो, वह प्रतियोगिता में दो से अधिक बार नहीं बैठ सकता, किन्तु यह प्रतिबन्ध सन 1961 में हुई परीक्षा से लागू होगा।

टिप्पणी 1 : यदि परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन होने से पहले अथवा बाद में किसी भी समय यह पाया गया कि उम्मीदवार परीक्षा में दो बार पहले ही बैठ चुका था और इस परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं था तो उसका परिणाम, यथास्थिति, रोक लिया जाएगा अथवा रद्द कर दिया जाएगा और नियम 15 के अनुसार आगे कार्यवाई की जाएगी।

टिप्पणी 2 : यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में बैठे, तो इस नियम के प्रयोजन के लिए उस उम्मीदवार को परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

टिप्पणी 3 : किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हुआ तब माना जाएगा जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह जरूरी है कि 1 जनवरी, 1974 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरे 25 साल की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1949 से पहले और 1 जनवरी, 1956 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामले में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो, उनकी सशस्त्र सेना में कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

परन्तु इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

नोट :—उपरोक्त नियम 6(ख) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आहुवान पर सेवा ("काल अप सरविस") की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

(ग) उक्त ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और अधिक छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (2) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का सदस्य हो तथा बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पाँडिचेरी का निवासी हो और किसी स्तर पर उसकी शिक्षा फ्रेंच भाषा के माध्यम से हुई हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (5) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का सदस्य हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् श्रीलंका से भारत में प्रव्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (7) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दीव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (8) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व



तांगानिका और जंजीबार) से प्रश्रजित हो तो अधिकतम तीन वर्ष तक,

- (9) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उनके पश्चात् भारत में प्रश्रजित हुआ हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का सदस्य हो तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रश्रजित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (11) किसी दूसरे देश से युद्ध के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय आशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कर्मियों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (12) किसी दूसरे देश से युद्ध के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय आशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कर्मियों के मामले में जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्य हों, अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (13) सीमा सुरक्षा दल के कर्मियों के लिए जो भारत-पाकिस्तान संघर्ष 1971 के दौरान आशक्त हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए उम्मीदवारों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष ;
- (14) सीमा सुरक्षा दल के अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के सदस्य कर्मियों के लिए जो भारत-पाकिस्तान संघर्ष 1971 के दौरान आशक्त हुए और उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए उम्मीदवारों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक ।

(घ) उक्त ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों तथा निर्वाचन आयोग के कार्यालय में लिपिकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1974 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते जा रहे हैं ।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (2) भारतीय विदेश सेवा (ख), (3) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में बैठ रहे हैं ।

(ङ) उक्त ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जाएगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक के पदों पर नियुक्त हैं और 1 जनवरी 1974 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते जा रहे हैं ।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे ।

(च) ऊपरी आयु सीमा में उन सैनिक-लिपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो सशस्त्र सेना में अपनी कलर सर्विस के अन्तिम वर्ष में हैं, अर्थात् उन को जो सेना में 2 जनवरी, 1974 से 1 जनवरी 1975 तक की अवधि में नियुक्त होने वाले हैं ।

परन्तु शर्त है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवार केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तरसेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए ही, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं है, प्रतियोगिता के पात्र होंगे ।

टिप्पणी (1) डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल-डाक छंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 6(घ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जाएगी ।

टिप्पणी (2) यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 6(घ) और नियम 6(ङ) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में वह नौकरी से त्याग पत्र दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है लेकिन यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा ।

टिप्पणी (3) किसी लिपिक को जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसर्ग पद (एक्स-केडर पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दिया जाएगा ।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी ।

7. यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षाओं में से कोई एक पाम की हो या उनके पाम निम्नलिखित में से एक प्रमाण पत्र हो :—

- (1) भारत के केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा ;

- (2) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में शालान्त (स्कूल लीविंग), माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाण पत्र के लिये;  
जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिये मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष मानती हो, ली गई कोई परीक्षा;
- (3) केम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज),
- (4) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा;
- (5) दिल्ली पौलिटैक्नीक के तकनीकी हायर सैकेंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (6) भारत में किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकेंडरी स्कूल बहु-उद्देशीय स्कूल द्वारा हायर सैकेंडरी पाठ्यक्रम/बहु-उद्देशीय पाठ्यक्रम (जो किसी छात्र को तीन-वर्षीय डिग्री कोर्स के लिए पात्र बनाता है) के उपान्तिम वर्ष के अन्त में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण;
- (7) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार कराने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र;
- (8) श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पाँडिचेरी, के उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र;
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा (केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए);
- (10) बंगाल (साइंस) स्कूल सर्टिफिकेट;
- (11) नेशनल काउंसिल आफ एजुकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद) जादवपुर, पश्चिमी बंगाल की फाइनल स्कूल स्टैन्डर्ड परीक्षा प्रारम्भ से);
- (12) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की 'बिनीत' परीक्षा;
- (13) पाँडिचेरी की नीचे लिखी फैंच परीक्षाएं :—
- (1) ब्रीबे एलिमेन्टेयर,
  - (2) ब्रीबे द एंसीमा प्रीमियर द लाँग इंडियन,
  - (3) ब्रीबे द एत्यूद टु प्रीमिये सिकल,
  - (4) ब्रीबे द एंसीमा प्रीमियर सुपीरियर दे लाँग इंडियन और
  - (5) ब्रीबे द लाँग इंडियन (बर्नाक्युलर),
- (14) गोआ, दमन और दीव की पुर्तगाली परीक्षा 'लाइसियूम' के पाँचवें वर्ष में पास,
- (15) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन;
- (16) भारतीय नौसेना का हायर एजुकेशन टैस्ट;
- (17) एडवांस क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा;
- (18) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा;
- (19) ईस्ट बंगाल सैकेंडरी एजुकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र;
- (20) बंगला देश स्थित कौमीला राजशाही/खुलना/जैसोर के बोर्ड आफ सैकेंडरी एजुकेशन द्वारा दिये गए सैकेंडरी स्कूल प्रमाण पत्र;
- (21) नेपाल सरकार की स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा;
- (22) एंग्लोबर्नाक्युलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (बर्मा);
- (23) बर्मा हाई स्कूल फाइनल इग्जामिनेशन प्रमाण पत्र (विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के लिए पात्रता सहित);
- (24) शिक्षा विभाग, बर्मा की एंग्लोबर्नाक्युलर हाई स्कूल परीक्षा (युद्ध-पूर्व);
- (25) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट;
- (26) सामान्य स्तर पर श्रीलंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी तथा गणित और सिंहली या तमिल सहित पाँच विषयों में पास की गई हो;
- (27) सामान्य स्तर पर लंदन के एसोसिएटेड बोर्ड्स की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पाँच विषयों में पास की गई हो;
- (28) किसी राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/सैकेंडरी तकनीकी स्कूल परीक्षा;
- (29) वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खंड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा अतिरिक्त विषयों में, जिनमें एक विषय अंग्रेजी हो, विशिष्ट परीक्षा;
- (30) गोआ, दमन तथा दीव की स्वतंत्रता से पूर्व पुर्तगाली शासन के अधीन इस्कोला इन्डस्ट्रीयल कामशियल दी गोवा पणजी द्वारा दिये गये लुहार पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र तथा बिजली-मिस्त्री पाठ्यक्रम का प्रमाण पत्र;
- (31) राष्ट्रीय भारतीय मिलिट्री कालेज डिप्लोमा परीक्षा;
- (32) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित "मध्यमा" परीक्षा;
- (33) कारपोरल के पद पर पदोन्नति के लिए शिक्षा निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा ली जाने वाली भारतीय वायुसेना शैक्षिक परीक्षा;
- (34) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1965 में ली गई विज्ञान की अर्हक परीक्षा;
- (35) शिक्षा मंत्रालय, मलेशिया के सहयोग से केम्ब्रिज स्थानीय परीक्षा सिंडीकेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मलेशियन सर्टिफिकेट आफ एजुकेशन परीक्षा);

(36) पंजाब विश्वविद्यालय की उच्चतर माध्यमिक (कोर विषय) परीक्षा;

(37) बाल प्रशिक्षण संस्थान, विभागाध्यक्ष द्वारा संचालित (भारतीय नौसेना परीक्षा पास करना)।

टिप्पणी (1) यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, दे चुका हो, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। जो उम्मीदवार ऐसी किसी अर्हक (क्वालिफाई) परीक्षा में बैठने चाहते हों, वे भी आवेदन पत्र दे सकते हैं, बशर्ते कि अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम होगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करेंगे तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी (2) कुछ विशिष्ट मामलों में, जहाँ कि किसी उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

8. (1) जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, जिसका /जिसकी पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है तो,

वह सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह में दूसरे पक्ष के वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकृत है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और उसको इस नियम से छूट न दे दे।

(2) जिस व्यक्ति ने किसी विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया है, वह भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड VI की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

(3) जिस व्यक्ति के तीन से अधिक बच्चे हैं वह भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड VI की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

9. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी हैसियत से पहले से सरकारी सेवा कर रहा हो उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग के अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिए।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सर्वाधिक सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका है, तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी, जिन पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की सम्भावना होगी।

टिप्पणी : अशक्त भूतपूर्व रक्षा-कार्मिकों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य-विघटन डाक्टरी बोर्ड (डीमोबिलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वास्थ्यता प्रमाण पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास संस्थान का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

13. सशस्त्र सेना से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें संस्थान के नोटिस के पैरा 8(iv) के अन्तर्गत शुल्क की छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को संस्थान के नोटिस के पैरा 8(1) में विहित शुल्क देना होगा।

14. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का यत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

15. यदि कोई उम्मीदवार संस्थान द्वारा इस बात के लिए दोषी घोषित किया जाए या किया गया है कि उसने दूसरे व्यक्ति से अपनी परीक्षा दिलवाई है या जाली प्रलेख अथवा ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिन में हेराफेरी की गई है या गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या कोई महत्वपूर्ण बात छिपाई है या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी और अनियमित या अनुपयुक्त तरीके से काम लिया है अथवा परीक्षा भवन में अनुचित तरीकों का प्रयोग करने की कोशिश की है या परीक्षा भवन में या इसके अहाते में कोई दुर्व्यवहार किया है या संस्थान द्वारा अथवा सुपरवाइजर/पर्यवेक्षक द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन न करता हो तो, उस पर फौजदारी मुकदमा चलाए जाने के अतिरिक्त, उसे :—

(क) स्थायी रूप से अथवा किसी निश्चित अवधि के लिए

(1) संस्थान उम्मीदवारों से चुनाव के लिए अपने द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा या साक्षात्कार में शामिल होने से रोक सकता है और

(2) केन्द्रीय सरकार अपने अधीन नियुक्त किए जाने से वंचित कर सकती है।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में हुआ तो उसके खिलाफ उपयुक्त नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

16. परीक्षा के पश्चात टंकण परीक्षा में पास होने वालों को अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा में दिए गए कुल अंकों के आधार पर संस्थान उम्मीदवार की गुणात्मक में सूची बनाएगा और उसी क्रम से परीक्षा परिणामों के आधार पर भरे जाने के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्त स्थानों के अनुसार जितने उम्मीदवारों को परीक्षा के द्वारा अर्हता प्राप्त देखेगा, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश करेगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान निर्धारित सामान्य स्तर में रियायत दे कर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों तक की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

आगे यह भी शर्त है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान सामान्य स्तर में रियायत दे कर भी भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है। बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

17. परीक्षा-परिणाम के आधार पर नियुक्तियां करते समय किसी उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र भरते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए (आवेदन पत्र के कालम 14 में) बनाई गई प्राथमिकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा।

18. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाय, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान परीक्षा-फल के संबंध में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

19. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

20. जिन सेवाओं/पदों के लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है, उनसे संबंधित सेवा की शर्तें संक्षेप में परिशिष्ट 2 में दी गई हैं।

एम० के० वासुदेवन,  
अवर सचिव

### परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी :—

भाग I—लिखित परीक्षा:—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र संख्या	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1.	सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबन्ध		
	(क) लघु निबन्ध	100	3 घंटे
	(ख) सामान्य अंग्रेजी	100	
2.	भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान	100	2 घंटे

भाग II—टंकण परीक्षा :—संस्थान के विवेकानुसार लिखित परीक्षा में निर्धारित कम से कम स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवार ही टंकण परीक्षा के पात्र होंगे।

टंकण परीक्षा के निम्न दो प्रश्न पत्र होंगे :—

पत्र संख्या	विषय	दिया गया समय
1.	लगानार टाइप करने की समग्री (रनिंग मैटर)	10 मिनट
2.	सारणीबद्ध विवरण (टेबुलर स्टेटमेंट)	10 मिनट

परीक्षा के नियमों के नियम 16 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिये सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे।

टिप्पणी (i) : जिन उम्मीदवारों ने संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षण शाला या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पहले ही पास कर ली हो, उन्हें इस परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षाओं में अपना रोल नंबर तथा परीक्षा की तारीख बतानी चाहिये।

टिप्पणी (ii) : परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र के साथ जो उम्मीदवार मक्षम चिकित्सा प्राधिकारी, अर्थात् सिविल सर्जन, से लेकर यह प्रमाण पत्र

प्रस्तुत करेगा कि शारीरिक श्रमता के कारण वह सदा के लिये टंकण परीक्षा पास करने के अयोग्य है, तो केंद्रीय सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के पूर्व अनुमोदन से उसे इस परीक्षा के देने और पास करने से छूट मिल सकती है।

टिप्पणी (iii) : उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी ही टाईप मशीन लानी होगी। स्टैंडर्ड साईज के रोलर वाली टाईप मशीन परीक्षा के दोनों ही प्रश्न पत्रों में काम दे सकेगी।

2. परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिये अनुसार होगा।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्नपत्र 1 की मद (क) तथा प्रश्न पत्र 2 या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी (देवनागरी लिपि में) किसी में दें।

प्रश्न पत्र 1 के मद (ख) के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिये।

उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे टंकण परीक्षा हिंदी (देवनागरी लिपि में) दें अथवा अंग्रेजी में।

टिप्पणी 1 : प्रश्न पत्र 2 में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिये होगी, इस प्रश्न पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिये नहीं।

टिप्पणी 2 : उपर्युक्त लिखित परीक्षा/टंकण परीक्षा के प्रश्न पत्रों का उत्तर हिंदी (देवनागरी लिपि में) देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरादा आवेदन पत्र के कामल 8 तथा 9 में स्पष्टतः लिख देना चाहिये अन्यथा यह समझा जायगा कि वे प्रश्न पत्रों का उत्तर/टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

टिप्पणी 3 : एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अंतिम होगा और इसके परिवर्तन के लिये कोई अनुरोध माधारणतः स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी 4 : उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के सिवा किसी अन्य भाषा में उत्तर देने अथवा टंकण परीक्षा देने पर कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

(4) उम्मीदवारों को सभी उत्तर, अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये स्पष्ट व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायगी।

(5) संस्थान अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

(6) केवल पिछले ज्ञान के लिये कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

(7) अस्पष्ट लिखावट के लिये पूर्णकों के 5 प्रतिशत तक अंक काट लिये जायेंगे।

(8) परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में, क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक ठीक की गई अभिव्यक्ति के लिये अंक दिये जायेंगे।

401GI/73

## अनुसूची

### परीक्षा का पाठ्यक्रम

#### सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबंध

(क) लघु निबंध-उल्लिखित कई विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखना होगा।

(ख) सामान्य अंग्रेजी :—निम्नलिखित में उम्मीदवारों की परीक्षा ली जायगी।

- (1) मसौदा लेखन
- (2) सार लेखन
- (3) प्रयुक्त व्याकरण तथा
- (4) प्रारम्भिक सारणीकरण (आंकड़ों को संकलित करने तथा सारणी के रूप में उन्हें व्यवस्थित और प्रस्तुत करने की कला में उम्मीदवारों की सामर्थ्य जांचने के लिये)।

#### भारत के भूगोल समेत सामान्य ज्ञान

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव—जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिसने कि किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो, आशा की जा सकती है। इस पत्र में भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

## परिशिष्ट II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं :—

- (1) उच्च श्रेणी ग्रेड 330-10-380-40 रो०-12-500 द० रो०-15-560 रु०।
- (2) अवर श्रेणी ग्रेड 260-6-290-40 रो०-6-326-8-366-40 रो०-8-390-10-400 रु०।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा यथानिर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और विभागीय परीक्षाओं पास करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षाओं पास न करने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीक्षाधीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है, या यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि जिम्मेदार बहाना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

4. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्तियों को केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसी अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है जो केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति किये जाने के पात्र होंगे। स्थायी या नियमित रूप से नियुक्त किये गये अस्थायी अवर श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस संबंध में यथानिर्दिष्ट निर्णायक तारीख को 5 वर्ष की अनुमोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर चुकेंगे, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

6. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम तीन वर्ष अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा करने के बाद ग्रेड-III के प्राशुलिपिकों की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिये अधिकतम आयु सीमा निर्णायक तारीख को 35 वर्ष होनी चाहिये।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उनकी अपनी इच्छा के अनुसार की जायगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के कांडर में अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानांतरण या नियुक्ति की मांग नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्त अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्तें जैसे नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति आदि, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 से जो समय-समय पर सशोधित केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962, के आधार पर बने हैं, संचालित होती है।

2. रेलवे बोर्ड लिपिक सेवा की पदोन्नति श्रेणियाँ हैं :—

(i) उच्च श्रेणी लिपिक-रू० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(ii) अवर श्रेणी लिपिक-रू० 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिये परिबीक्षाधीन रहेंगे और हम अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त होंगे और वैसे विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किये जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखलाने पर अथवा परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. उच्च श्रेणी लिपिकों के पद निम्नलिखित कर्मचारियों में से बराबर सख्या में पदोन्नति/नियुक्ति द्वारा भरे जायेंगे :—

(क) अयोग्यों को छोड़ते हुए, वरीयता के अनुसार अवर श्रेणी ग्रेड के स्थायी कर्मचारी जिनकी मान्य सेवा आठ साल से कम की न हो,

(ख) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, जो समय-समय पर इसी उद्देश्य से ली जाती है, के परिणाम के आधार पर इसी चुने गए वरीयता के अनुसार अवर श्रेणी ग्रेड के लिपिक।

जब तक कि (ख) में उल्लिखित प्रथम सीमित प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम घोषित नहीं किया जाता है, उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड की सभी रिक्तियाँ उपर्युक्त (क) के आधार पर भरी जाएगी।

5. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड के सदस्य, जिनकी मान्य व निरन्तर सेवा की अवधि सरकार द्वारा घोषित निश्चित तिथि पर तीन साल से कम न हो, वे प्राशुलिपिक ग्रेड III सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा में बैठने की उच्च आयु सीमा निश्चित तिथि पर 35 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भांति अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए हैं—

(1) पेंशन के लाभों के हकदार होंगे और

(2) जो उस तारीख को जब वे नौकरी में नियुक्त होते हैं। नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू गैर अंशदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के नियमों के अधीन उस निधि में अंशदान करेंगे।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भांति ही बराबर मात्रा में प्रिविलेज पासों और प्रिविलेज टिकट आर्डरों के हकदार होंगे।

9. जहाँ तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा में शामिल कर्मचारियों को उसी प्रकार की सुविधाएँ हैं, जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा सुविधाएँ उन्हें दूसरे केंद्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनका मुख्यालय नई दिल्ली है, के समान हैं।

(ग) — भारतीय विदेश सेवा (ख) — ग्रेड-6

2. वेतन मान 110-3-131-4-135-4-155-द० रो०-4-174-5-180 रू० यह वेतनमान तीसरे आयोग की सिफारिशों के अनुसार सशोधनाधीन है।

भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड 6 में नियुक्त अधिकारी विदेशों में नियुक्त किए जाने पर उन भर्तों और मुफ्त आवास के पात्र होंगे, जो समय-समय पर भारतीय विदेश सेवा (ख) के उस ग्रेड के अधिकारियों के लिए स्वीकार्य होते हैं।

3. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त उम्मीदवारों को, मुख्यालय में अथवा भारत या विदेश में कहीं भी जहाँ वे नियंत्रक अधिकारी द्वारा लगाए जाए, सेवा करनी होगी।

4. इस सेवा में नियुक्ति पुष्टीकरण तथा वरिष्ठता की शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ख) (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता तथा पदोन्नति) नियम, 1964 के संगत उपबन्धों तथा बाद में सरकार द्वारा बनाये गये अन्य नियमों और आदेशों के अधीन होंगी।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड हैं—

उच्च श्रेणी ग्रेड— 130-5-160- द० रो०-8-200-द० रो०-8-256-8-280।

अवर श्रेणी ग्रेड— 110-3-131-4-155-द० रो०-4-175-5-180।

तीसरे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार इन वेतनमानों का संशोधन विचाराधीन है।

उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद अवर श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अवधि में असंतोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणाम-स्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है। परिवीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टीकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे।

4. सशस्त्र सेवा मुख्यालय में भर्ती किए गए निम्न श्रेणी लिपिक आम तौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर-सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जाएंगे। किन्तु लोकहित में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है।

5. छुट्टी, चिकित्सा-सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर-सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

(ड०) संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वेतन मान 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रु० है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाएगा।

(च) भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

भारत तिब्बत सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का वेतनमान 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये है।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन होंगे।

### वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1973

सं० एफ० 1(12)-एन० एस०/73—केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निवेश देती है कि वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की 28 फरवरी, 1973 की अधिसूचना सं० जी० एस० आर० 320 के अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी की गई “अवरुद्ध जमा” योजना के अन्तर्गत जमा की जाने वाली राशि मानकित अभिकरण प्रणाली के अन्तर्गत नियुक्त प्राधिकृत अधिकारियों की मार्फत तरकाल स्वीकार की जायगी, जिन्हें शहरी क्षेत्रों में 1-3/4 प्रतिशत और देहाती क्षेत्रों में 2-1/4 प्रतिशत कमीशन दी जायगी।

ए० भट्टाचार्य, उप-सचिव

### औद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1973

#### संकल्प

सं० आई० एम० ई०-13(9)/72—इस मंत्रालय के संकल्प सं० आई० ई०(1)-13(9)/72 दिनांक 7 दिसम्बर, 1972 के अनुक्रम में भारत सरकार ने चिकित्सा उपकरणों, उपकरण और साधनों के विकास के लिए सलाहकार समिति की संरचना में निम्नलिखित परिवर्तन करने का निष्पत्ति किया है :—

- डा० एन० पिप्टो दो रोजेरियो      कर्नल एन० एम० बेरी  
ज्येष्ठ वन्त चिकित्सक,      के स्थान पर सदस्य।  
बिलिंग्टन अस्पताल,  
नई दिल्ली।
- श्री टी० वी० शेषाचार,      श्री ए० के० राय के  
विपणन प्रबन्धक,      स्थान पर सदस्य।  
चिकित्सा-इंजीनियरी बण्ड,  
मेसर्स सीमेंस इंडिया लि०,  
134, ए, डा० एनी बेसेण्ट मार्ग,  
बोर्ली, नम्बर-400018।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को संसूचित की जाए और संकल्प सर्व साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

श्री० मल्कार्जुन, अवर सचिव

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1973

सं० 1(8)71-सी०टी०ई०—भारत के राजपत्र भाग-1, अनुभाग-1 में प्रकाशित अधिसूचना सं० 1(8) 71-सी० टी० ई० दिनांक 30 अगस्त, 1972 और 20 अक्टूबर, 1973 के क्रम में सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री एस० सलगावकर, वाइस-चेयरमैन, टाटा इंजीनियरिंग और लोकोमोटिव कम्पनी, जमशेदपुर (बिहार) का त्यागपत्र सोसाइटी (वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् सी० एस० आई०आर०) की सदस्यता से दिनांक 23 नवम्बर, 1973 से स्वीकार कर लिया गया है।

आई० नायडूम्मा, सचिव

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय  
(परिवार नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1973

## संकल्प

सं० एफ० 20020/1/73-सी० एण्ड सी० (प०मि०)—स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (परिवार नियोजन विभाग) के दिनांक 26 अक्टूबर, 1970 के संकल्प सं० 5-19/69-एम० सी० एच० में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने यह निर्णय किया है कि स्वास्थ्य और परिवार नियोजन राज्य मंत्री के स्थान पर स्वास्थ्य और परिवार नियोजन उप मंत्री काउन्टेस आफ डफरिन्स फंड सलाहकार समिति के अध्यक्ष होंगे।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि सभी राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए।

आनन्द प्रकाश अत्री, उप-सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय  
(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1973

## शुद्धि-पत्र

सं० एफ० 15-25/72-एल०-1—समसंख्यक शुद्धिपत्र, दिनांक 21 फरवरी, 1973, 6 जुलाई, 1973, 26 सितम्बर 1973 और 3 नवम्बर, 1973 द्वारा संशोधित, संस्कृति विभाग के संकल्प सं० एफ० 15-25/72-एल० 1 दिनांक 5 मई, 1972 में निम्नलिखित और संशोधन किया जाता है :—

पैरा-7 के स्थान पर निम्नलिखित लिख दिया जाए :

समिति को अपनी रिपोर्ट 31 मार्च, 1974 तक सरकार को पेश कर देनी चाहिए।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प के संशोधन की प्रतियां समिति के सभी सदस्यों, अध्यक्ष, विषयविद्यालयों अनुदान आयोग, सभी कुलपतियों, निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, आयोजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय तथा सभी राज्य सरकार और भारत सरकार के सभी विभागों को भेज दी जाएं।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प के शुद्धि पत्र को भारत के राजपत्र में, सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित कर दिया जाय।

एस० कै० चतुर्वेदी, उप-सचिव

## संचार मंत्रालय

## (डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 दिसम्बर 1973

सं० 23/10/73-एल० आई०—राष्ट्रपति एतद् द्वारा निदेश देते हैं कि डाक जीवन बीमा और सावधि बीमा से संबंधित नियमों में आगे निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात्:—

उक्त नियमों के नियम 19 के नीचे टिप्पणी 10 के खण्ड (i) में संक्षेपण और अंक "10,000 रु०" के स्थान पर संक्षेपण और अंक "30,000 रु०" प्रतिस्थापित किया जाए।

आर० एन० डे,  
निदेशक,  
डाक जीवन बीमा

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 नवम्बर 1973

## संकल्प

सं० 19/3/72-प्रेस—भारत सरकार ने बाबा शिव चरण सिंह, एडवोकेट, उच्च न्यायालय, दिल्ली को भी समाचार-पत्र उद्योग की आर्थिक व्यवस्था की जांच करने के लिए इस मंत्रालय के संकल्प सं० 19/3/72-प्रेस दिनांक 14 अप्रैल, 1972 के द्वारा गठित तथ्यअन्वेषक समिति का सदस्य नियुक्त किया है।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, प्रधान मंत्री सचिवालय और सभी मन्त्रालयों को भेज दी जाये। यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी हेतु इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

ए० जे० किदवाई, सचिव



## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi. the 2nd January 1974

No. 1-Pres./74—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to undermentioned officers of the Greater Bombay Police Force:—

*Names and ranks of the Officers*

Shri Prithviraj K. Chandgude. (Deceased)  
Sub-Inspector, Selection Grade,  
Greater Bombay Police Force,  
Bombay (Maharashtra)

Shri Ranjit Singh Motiram Rane (Deceased)  
Constable,  
Buckle No. 13368/G,  
Greater Bombay Police Force

Shri Joseph Isaac Samson,  
Sub-Inspector of Police  
Vikhroli Police Station,  
Greater Bombay, Police Force  
Bombay (Maharashtra)

Shri Ram Narayan Dube,  
Wireless Operator,  
R.T.P.C. No. 12338/W,  
Greater Bombay Police Force,  
Bombay (Maharashtra)

*Statement of Services for which the decoration has been awarded.*

Shri Ranjit Singh Motiram Rane was posted in the Godrej Creekside Colony as there was some apprehension of breach of peace there. At about 5.30 P.M. one group of workers belonging to a political party were attacked by a riotous mob, when they reached the colony to meet one member of their party. When the Police intervened, they were also attacked by the unruly mob, armed with lethal weapons. Sub-Inspector Shri Prithviraj K. Chandgude was injured. He fired when he found that the situation had otherwise become uncontrollable. Finding even the use of fire-arms ineffective he directed Shri P. R. Mulay to get the reinforcement from the Police Station. Undeterred by the fury of the mob Sub-Inspector Chandgude continued to engage them. When one Police Constable was attacked by a pick-axe, Sub-Inspector Chandgude rushed to his help. In the encounter Sub-Inspector Chandgude received grievous injuries and collapsed due to profuse bleeding.

Shri Ranjit Singh Motiram Rane who was member of the Police party was also attacked by the mob and was injured. The gallant constable though injured was not disspirited. When he saw that a Police Constable was being hit by a lethal weapon on the back he rushed to his rescue and thereby again invited the wrath of the mob. The mob inflicted fatal injuries on him and he died a noble death trying to save his colleague.

Shri Joseph Isaac Samson was a member of the Police party which had gone to Godrej Creekside

colony to disperse the unruly crowd which had collected there. Shri Samson rescued one person from the revengeful mob and brought him to a place of safety. He himself was injured in the process. Then he saw a group of persons rushing towards Shri Kadam. Inspector of Police Shri Samson opened fire to keep the Mob away so as to enable the Police Inspector to get to his vehicle. Shri Samson helped one Sub-Inspector who was attacked by the mob and brought him to the police van by physically lifting him. While doing so he had to bear the brunt of the attack from the mob. He was seriously injured.

Shri Ram Narayan Dube was a Wireless operator of the Mobile Wireless Van which was on patrol duty in the Godrej Creekside Colony. Unmindful of the activities of the blood-thirsty mob he transmitted correct account of the happenings taking place around him to the control room. He was himself attacked by the riotous mob with sticks and iron bars. While other members of the Police party in the Wireless van jumped out of the vehicle to a place of safety. Shri Dube continued to transmit messages to the control room disregarding his own safety. Shri Dube sustained a punctured wound on his back but did not leave his post. He continued to send the messages to the control room till he became unconscious.

In dealing with the riotous mob, all the Police officers mentioned above exhibited conspicuous gallantry and a high sense of devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd September, 1972.

No. 2-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Greater Bombay Police Force:—

*Names and ranks of the officers*

Shri Balkrishna Bhikajirao Kadam  
Inspector of Police, (Officiating)  
Greater Bombay Police Force  
Bombay

Shri Purushottam Rajaram Mulay  
Sub-Inspector

Greater Bombay Police Force  
Bombay

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 2nd September, 1972 when riots broke out in the Godrej Creekside Colony Shri Balkrishna Bhikajirao Kadam rushed to the colony with a police party to deal with the situation. He not only quelled the riots but also provided protection to the group of political workers who were attacked by the riotous mob. While dealing with the mob he received injuries on his face and fell down on the ground.

He was rescued and taken to the police vehicle by Shri Samson who was standing nearby. But when he saw that the rioters were not dispersing inspite of the best efforts of the police he re-loaded his revolver and went back to deal with the crowd without caring for his injuries. He fired six rounds and succeeded in holding the crowd at bay for some time he himself collapsed.

On the 2nd September, 1972 when Shri Purushottam Rajaram Mulay returned to Vikhroli Police Station at 17.30 hours from some official duty, he learnt that Shri Kadam and other police officials had gone to the Godrej Creekside Colony. He hurried with his motor cycle and joined the Police party. Shri Mulay and other police personnel tried to disperse the mob but were not successful. The mob attacked Sub-Inspector Shri Samson in order to free one of the residents of the colony who had been arrested by Shri Samson. Shri Mulay took charge of the arrested person and dragged him to the police van. Infuriated mob attacked him with a volley of stones. But unmindful of the injuries he first rendered assistance to S.I. Shri Chandgude and then he fired from his revolver in order to disperse the mob, but the revolver got jammed after the first two shots. The mob set fire to his motor-cycle. But without caring for the same he rushed to the Police Station on foot in order to bring some reinforcement. After most of the Police officers and men had received serious injuries and fallen on the ground Shri Mulay took charge of the situation and ordered the police party to open fire which had salutary effect and the mob dispersed.

Both Shri Balkrishna Bhikajirao Kadam and Shri Purushottam Rajaram Mulay displayed courage, initiative, high sense of devotion to duty and presence of mind in dispersing the riotous mob.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd September, 1972.

No. 3-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Calcutta Police;—

*Name and rank of the Officer*

Shri Mano Ranjan Singh.  
Havildar, 'B' Company,  
1st Battalion.  
Calcutta Armed Police.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 21st March, 1972 Shri Mano Ranjan Singh was travelling in a train in plain clothes. At about 21.25 hours when the train arrived at the Dum Dum Railway Station, four miscreants entered the compartment in which Shri Mano Ranjan Singh was travelling. As the train left the Dum Dum Railway Station, the miscreants whipped out bhojalis and revolvers and started demanding

valuables from the passengers. The passengers were frightened and many of them handed over their watches, purses and other valuables to the miscreants. When they came to Havildar Mano Ranjan Singh, he offered resistance. One of the miscreants hit Shri Mano Ranjan Singh on his head with Bhojali as a result of which Shri Mano Ranjan Singh was severely wounded. But in disregard of his injury he caught hold of one of the miscreants and hit one of them with a Bhojali which he had snatched away from the hands of the assailant. This action encouraged other passengers in the compartment and they rushed to assist him. Two of the miscreants were caught while to others escaped.

Shri Mano Ranjan Singh exhibited cool courage in disregard of his personal safety and apprehended two miscreants who were armed with lethal weapons.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st March, 1972.

No. 4-Pres./74. The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force:

*Name and rank of the officer*

Dr. Govind Prasad Gupta,  
Assistant Commandant,  
Border Security Force.  
Bandipur.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

In December, 1971, Dr. Govind Prasad Gupta received information that a large number of men who were sent to raid the enemy positions at Minimarg had fallen sick due to extreme cold. On receiving this information Dr. Gupta without caring for the risk involved went to Dawar, then walked a distance of 35 miles and rendered medical aid to all the sick persons. Again on the 16th February, 1972 when information was received that four persons of 61st Battalion had been trapped under an avalanche in Jasmin area, Dr. Gupta went in helicopter to Dawar and then walked up to Jasmin. He treated and nursed the injured constable and brought him to Niru from where he was evacuated to General Hospital. Further in May, 1972 when the 60th Battalion of Border Security Force was engaged in action with the enemy in Lakes area and no doctor was willing to serve in this dangerous and climatically difficult area, Dr. Gupta proceeded to the battalion and rendered treatment to all the battle casualties in disregard of the heavy enemy firing. Without caring for his personal safety he moved to Gobi area and provided medical cover to the Border Security Force personnel.

Dr. Govind Prasad Gupta showed conspicuous courage and high sense of devotion to duty in giving medical aid to the wounded Border Security Force personnel, in very difficult circumstances.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal.

No. 5-Pres./74.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to undermentioned officer of the West Bengal Police:—

*Name and rank of the officer*

Shri Shyamal Chandra Kundu,  
Inspector of Police, (Officiating)  
Nadia District.  
West Bengal.

*Statement of Services for which the decoration has been awarded*

On the 3rd May, 1972, information was received by Shri Shyamal Chandra Kundu at 13.45 hrs. that some armed extremists had assembled in a mango grove near kandokhola under Santipur Police Station. Shri Kundu immediately collected the policemen available belonging to the Central Reserve Police Force and the District Police and left for the hide out of the extremists. On reaching the mango grove Shri Kundu divided the police party into three groups. While two of these groups were asked to comb the surrounding area of the mango grove, Shri Kundu himself directed the operation from the central position. When the police parties were combing the area, six armed extremists who were hiding in the bushes, opened fire and hurled hand grenades at the police party. After the exchange of fire for some time with the police parties which were combing the area the extremists tried to escape through the shrubs and bushes. On being chased by Shri Kundu the extremists took up position behind the trees in the mango grove and started firing on the police party led by Shri Kundu. The fire was returned by the police party. The courage with which Shri Kundu led his men resulted in the death of 4 extremists. Some arms and ammunition were also recovered.

In the encounter with the extremists Shri Shyamal Chandra Kundu exhibited exemplary courage and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd May, 1972.

No. 6-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the West Bengal Police:—

*Names and ranks of the officers*

Shri Bhupendra Mohan Chanda,  
Sub-Inspector of Police,  
Nadia District.  
West Bengal.

Shri Badal Chandra Sinha, (Officiating)  
Asstt. Sub-Inspector of Police.  
Nadia District.  
West Bengal.

Shri Dal Chandra Balmiki,  
Asstt. Sub-Inspector of Police.  
Nadia District,  
West Bengal.

Shri Kumaresh Chandra Biswas.  
Constable No. 1348.  
Nadia District,  
West Bengal.

*Statement of Services for which the decoration has been awarded*

On the 3rd May, 1972 Shri Shyamal Chandra Kundu, Circle Inspector of Police, Santipur received information at about 13.45 hrs. that some armed extremists had assembled in mango grove near Kandokhola under Santipur Police Station. Shri Kundu collected the Police force available and proceeded to the hide out of the extremists. On reaching the mango grove Shri Kundu divided the Police party into three groups. Two of these groups led by Shri Badal Sinha and Shri Bhupendra Mohan Chanda of the Santipur Police Station were asked to comb the area surrounding the mango grove. When they were combing the area the extremists opened fire and hurled hand grenades. The Police party led by Shri Bhupendra Mohan Chanda returned the fire. While the group led by Shri Chanda kept the extremists engaged, Shri Badal Chandra Sinha closed in. In the face of heavy fire by the extremists all the four Police personnel, Shri Bhupendra Mohan Chanda, Shri Badal Chandra Sinha, Shri Dal Chandra Balmiki and Shri Kumaresh Chandra Biswas kept their nerves and replied the fire effectively killing four extremists.

In the encounter with the extremists all the four officers mentioned above exhibited exemplary courage and conspicuous gallantry.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd May, 1972.

No. 7-Pres./74.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force:—

*Name and rank of the officer*

Shri Kanwar Singh,  
Naik No. 66187454,  
17th Battalion.  
Border Security Force.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

A patrol party of the Border Security Force under the command of Head Constable Bhoor Singh was deputed on the 2nd January, 1973 to intercept a gang of notorious smugglers who were likely to cross over to India from Pakistan near Panchla border out post. At about 1000 hours while following the foot-prints of camels, the Border Security Force Patrol party spotted some strangers at a distance of about six to seven hundred yards. The patrol party was divided into three groups. Two of the groups were ordered to encircle the smugglers from the left and right flanks respectively, third group led by Shri Kanwar Singh was ordered to proceed from behind and cut off the escape route of the smugglers. When all the three groups started closing in on the smugglers, the latter opened fire on the patrol party which was returned. Shri Kanwar Singh crawled a distance of about 50 yards in order to get closer to the smugglers and to occupy a vantage position. He crawled further and jumped upon a smuggler who was firing at the Border Security Force patrol on the flanks. Shri Kanwar Singh struck the smuggler with the butt of his rifle, pinned him down to the ground and snatched his 303 rifle. After disarming him he opened fire on the remaining party of the smugglers. This unnerved the smugglers and they started running helter-skelter. In this action ultimately six smugglers were apprehended and smuggled goods worth about Rs. 33000 seized.

Shri Kanwar Singh was further deputed to chase the fleeing smugglers. He had another encounter with the smugglers as a result of which the smugglers left behind an Indian Muslim woman who was abducted by them.

Shri Kanwar Singh displayed conspicuous gallantry and devotion to duty in the action against the smugglers.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd January, 1973.

A. MITRA  
Secretary to the President

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 12th January 1974

No. 10/19/73-CS(II).—The rules for a competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management, Department of Personnel in the Cabinet Secretariat, in 1974 for the purpose of filling temporary vacancies in the following Services/posts are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B)-Grade VI;
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service-Grade II;

- (iii) Central Secretariat Clerical Service-Lower Division Grade;
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service-Lower Division Grade;
- (v) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi;
- (vi) Posts of Lower Division Clerk in the office of the Special Inspector General, Indo-Tibetan Border Police, Delhi; and
- (vii) Posts of Lower Division Clerk in other Departments and Attached Offices of the Government of India, not mentioned above.

A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/ posts mentioned above. He may, if he so desires, also be considered for inclusion in the Reserve List for the Central Secretariat Clerical Service. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

N.B.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Institute of Secretariat Training & Management within three months of the date of the examination.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute. Reservation will be made for candidates who are Ex-Servicemen and for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Ex-Serviceman means a person who has served in any rank (whether as a combatant or not) in the Armed Forces of the Union for a continuous period of six months and who has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

Explanation.—For the purposes of these Rules "Armed Forces of the Union" shall include the Armed Forces of the former Indian States but does not include members of the following Forces, namely :—

- (a) Assam Rifles;
- (b) Lok Sahayak Sena; and
- (c) General Reserve Engineer Force.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute.

## 4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Bangla Desh, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948 and have ordinarily been residing in India since then,
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens of India under Article 6 of the Constitution of India.
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

Provided further that candidates belonging to categories (c), (d) and (e) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)-Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. No candidate who does not belong to a Schedule Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall be permitted to compete more than two times at the examination but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE 1.—If it is found at any time before or after the publication of the results of the examination that the candidate had already appeared in the examination twice and was thus ineligible to sit in the examination, his result will be withheld or cancelled, as the case may be, and further action taken as per rule 15.

NOTE 2.—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once, for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of Services/posts.

NOTE 3.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1974 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1949 and not later than 1st January, 1956.

401GI/73

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-Servicemen, who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for the vacancies reserved for ex-Servicemen only.

NOTE.—The period of "call up service" of an Ex-Serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of rule 6(b) above.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from Bangla Desh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangla Desh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan Hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and

- (xiv) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe.

(d) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks in the various Departments/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years' continuous service as Clerks on 1-1-1974, and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and Attached Offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service, (ii) Indian Foreign Service (B), (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service, and (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service, and to persons who are ex-Servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-Servicemen.

(e) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-1-1974 and who continue to be so employed.

Provided that a Hindi Clerk/Hindi Typist admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for vacancies in the Central Secretariat Clerical Service only.

(f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of Service Clerks in the last year of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period from 2nd January, 1974 to 1st January, 1975.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organizations, which are not reserved for ex-Servicemen.

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in subordinate offices of P. & T. Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(d) above.

NOTE 2.—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(d) and Rule 6(e) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

NOTE 3.—A clerk who is on deputation to an excadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

7. Candidates must have passed one of the following examinations or possess one of the following certificates :—

- (i) Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India;
- (ii) An examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate, which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation Certificate for entry into service;

- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Examination held by the State Government;
- (v) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vi) Pass in the examination held by a recognised Higher Secondary/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the 3 year degree course);
- (vii) Tenth Class Certificate from a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (viii) Tenth Class Certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
- (ix) Junior examination of the Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);
- (xii) 'Vinit' examination of the Gujarat Vidyapith Ahmedabad;
- (xiii) The following French Examinations of Pondicherry :
  - (i) 'Brevet Elementaire', (ii) 'Brevet d' Enseignement Primaire de Langue Indienne', (iii) 'Brevet D' etudes du Premier Cycle', (iv) 'Brevet D'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular);
- (xiv) Pass in the 5th year of 'Lyceum', a Portuguese qualification of Goa, Daman and Diu;
- (xv) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xvi) Higher Educational Test of the Indian Navy;
- (xvii) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xviii) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xix) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xx) Secondary School Certificate granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna/Jessore in Bangla Desh;
- (xxi) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xxii) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate Burma;
- (xxiii) Burma High School Final Examination Certificate with eligibility for University course;
- (xxiv) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-War);
- (xxv) Post-War School Leaving Certificate of Burma;
- (xxvi) General Certificate of Education Examination of Ceylon at 'Ordinary level' provided it is passed in five subjects including English and Mathematics and either Sinhalese or Tamil;
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Boards, London at 'Ordinary' Level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) Junior/Secondary Technical School examination conducted by any of the State Boards of Technical Education;

- (xxix) Purva Madhyama (with English) or old Khand Madhyama (first two years course) and special examination in additional subjects, with English as one of the subjects, of the Varansey Sanskrit Vishwa Vidyalaya Varanasi; and
- (xxx) Carta de Curso de Forma co de Serralheiro (Certificate in Smithy Course) and Carta de Curso do Montador Electricista (Certificate in Electrician Course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa, Panaji, under the Portuguese set-up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu;
- (xxxi) Rashtriya Indian Military College Diploma Examination;
- (xxxii) 'Madhyama' examination conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi;
- (xxxiii) IAF Educational Test for promotion to the rank of Corporal conducted by the Directorate of Education, Air Headquarters, New Delhi;
- (xxxiv) Qualifying Science Examination, 1965, conducted by the Delhi University.
- (xxxv) Malaysian Certificate of Education Examination of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate conducted in collaboration with the Ministry of Education, Malaysia.
- (xxxvi) Higher Secondary (Core Subjects) Examination of Punjab University.
- (xxxvii) Passing out (Indian Navy) Examination conducted by Boys Training Establishment, Vishakhapatnam.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE II.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of that government justified his admission to the examination.

8. (i) No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

(iii) A person with more than three children will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

9. A candidate already in Government service whether in a permanent or temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of the disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

11. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

13. Candidates except Ex-Servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide para 8(iv) of the Institute's Notice, must pay the fee prescribed in para 8(i) of the Institute's Notice.

14. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

15. A candidate who is or has been declared by the Institute guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statement which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall or its precincts, or of not complying with the Instructions issued by the Institute or the Supervisor/Invigilator, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution—

(a) be debarred permanently or for a specified period :—

- (i) by the Institute from admission to any examination or appearance at any interview held by the Institute for selection of candidates, and
- (ii) by the Central Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

16. After the examination, the candidates who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Institute in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training & Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen, subject to the

fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. Due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts, at the time of his application (cf. Col. 14 of the application form).

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in its discretion, and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

20. Conditions of service relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are briefly stated in Appendix II.

M. K. VASUDEVAN  
Under Secretary

#### APPENDIX I

1. The examination will be conducted according to the following scheme :—

##### PART I

*Written examination.*—The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No	Subject	Maximum marks	Time allowed
I.	General English & Short Essay		
	(a) Short Essay	100	200 3 hours
	(b) General English	100	
II.	General knowledge including Geography of India.	100	2 hours

##### PART II

*Typewriting Test.*—Only those candidates who attain, at the written examination, a minimum standard as may be fixed by the Institute in their discretion, will be eligible to take the Typewriting Test.

The Typewriting Test will consist of the following two papers :—

paper No.	Subject	Time allowed
1.	Running Master	10 minutes
2.	Tabular Statement	10 minutes

Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 w.p.m. in English or not less than 25 w.p.m. in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of rule 16 of the Rules for the examination.

Note (I)—Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidates must indicate their Roll Number and the date of the Typewriting Test which they have passed.

Note (II)—A candidate, who furnishes, along with his application for admission to the examination, a certificate from the competent medical authority i.e., the Civil Surgeon, declaring him to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability, may, with the prior approval of the Central Government in the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such test.

Note (III)—Candidates will be required to bring their own typewriters for the typewriting test. A typewriter with the standard size roller will do for both the papers of the test.

2. The syllabus for the written examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer them (a) of paper I or paper II or both either in the Hindi (in Devanagari script) or in English. Item (b) of paper I must be answered in English by all candidates.

Candidates are also allowed the option to take the Typewriting Test either in Hindi (In Devanagari Script) or in English.

Note 1.—The option for paper II will be for the complete paper and not for different questions in it.

Note 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the written examination/take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) should indicate their intention to do so clearly in Cols. 8 and 9 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the papers/take the Typewriting Test in English.

Note 3.—The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

Note 4.—No credit will be given for answers written or Typewriting Test taken in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Institute has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with the economy of words in all subjects of the written examination.

#### SCHEDULE

##### SYLLABUS OF THE EXAMINATION

##### *General English and Short Essay*

(a) *Short Essay.*—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(b) *General English.*—Candidates will be tested in the following :—

- (1) Drafting;
- (2) Precis writing;
- (3) Applied Grammar and
- (4) Elementary tabulation (To test candidates' ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

##### *General Knowledge including Geography of India*

Knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.



## APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this Examination.

## A. Central Secretariat Clerical Service

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :

- (i) *Upper Division Grade*.—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.
- (ii) *Lower Division Grade*.—Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has, in the option of Government, been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade III Stenographers Examination after rendering not less than three years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 35 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

## B. Railway Board Secretariat Clerical Service.

The service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railway, so far as recruitment, training, promotion etc., are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

- (i) *Upper Division Grade*.—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.
- (ii) *Lower Division Grade*.—Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—8—390—10—400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. The posts in Upper Division Grade are required to be filled by promotion/appointment in equal proportion from amongst the following staff :

- (a) Permanent officers of the Lower Division Grade who have rendered not less than 8 years' approved service in order of seniority in the Grade subject to the rejection of the unfit; and
- (b) Members of the Lower Division Grade selected on the results of the Limited Departmental Competitive Examination held for this purpose from time to time in the order of their merit.

Until the results of the first limited competitive examination referred to at (b) above are announced, all the vacancies in the Upper Division Grade will be filled in the manner at (a) above.

5. Members of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service are eligible to appear in the Stenographers' Grade III Limited Departmental Competitive Examination after rendering not less than 3 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Govt. in this behalf. The Upper age limit for this examination is 35 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service as confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Sectt. Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules—

- (i) will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) Shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway staff.

9. As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

## C. Indian Foreign Service (B)—Grade VI

The scale of pay.—Rs. 110-3-131-4-155-EB-4-175-5-180.

This scale of pay is subject to revision on the recommendations of the Third Pay Commission.

2. Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B), when posted abroad, will be eligible for such allowances and free furnished accommodation as are admissible to that grade of I.F.S.(B) officers from time to time.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) on the results of this examination will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India, or abroad to which they may be posted by the Controlling Authority.

4. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the Service will be governed by the relevant provisions of the I.F.S. (B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also by any other rules or orders which Government may hereafter make.

## D. Armed Forces Headquarters Clerical Service

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades as follows :—

*Upper Division Grade*.—Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280.

Lower Division Grade.—Rs. 110-3-131-4-155-EB-4-175-5-180.

These scales of pay are under revision on recommendation of the Third Pay Commission.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from among Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation, they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organizations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, medical aid and other conditions of service will be the same as applicable to other Ministerial staff employed in the AFHQ and Inter-Service Organizations.

#### E. Department of Parliamentary Affairs

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerk in the Department is Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—FB—8—390—10—400.

Candidates appointed to the Service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

#### F. Indo-Tibetan Border Police :

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 260—6—290—EB—6—326—8—366—EB—3—390—10—400.

Candidates appointed to these posts on the results of this examination will be on probation for a period of two years.

### MINISTRY OF FINANCE

#### (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 4th December 1973

No. F.1(12)-NS/73.—The Central Government hereby directs that with immediate effect deposits under the scheme of 'Blocked Deposits' introduced by the Government of India in terms of Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Notification No. G.S.R. 320, dated 28-2-1970 will be accepted through Authorised Agents appointed under the standardised-Agency System, who will be paid a commission of 1 3/4% for agents in urban areas and 2 1/4% for agents in rural areas.

A. BHATTACHARYA  
Dy. Secy.

### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 31st December 1973

No. IME-13(9)/72.—In continuation of this Ministry's Resolution No. IE(I)-13(9)/72 dated the 7th December, 1972, the Government of India have decided to make the following changes in the composition of the Advisory Committee for the Development of Medical Instruments, Equipment and Appliances:

1. Dr. N. PINTO DOROZARIO Member Vice Col.  
Senior Dental Surgeon, N.N.Bery.  
Willingdon Hospital,  
New Delhi.
2. Shri T. V. SESHACHAR, Member Vice  
Marketing Manager, Shri A.K. Roy  
Medical Engineering  
Division of M/s. Siemens India Ltd.  
134 A Dr. Annie Basant Road,  
Worli, Bombay-400018.

#### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

C. MALLIKARJUNAN,  
Under Secy.

### DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

#### (COUNCIL OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH)

New Delhi-1, the 29th December 1973

#### OFFICE MEMORANDUM

No. 1/8/71-CTE.—A copy of Notification No. 1/8/71-CTE dated 24th December, 1973 (both in English and Hindi) regarding acceptance of resignation of Shri S. Moolgaokar from the membership of the Society (CSIR) for publishing in Part I, Section I. of the Gazette of India, is enclosed.

K. C. Sundrachari  
for Secretary Department of Science  
and Technology

### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Family Planning)

New Delhi, the 19th December 1973

No. F. 20020/1/73-C&C.—In partial modification of the Ministry of Health and Family Planning (Department of Family Planning) Resolution No. 5-19/69-MCH dated the 26th October, 1970, the Government of India have decided that Deputy Minister of Health and Family Planning shall be Chairman of the Advisory Committee of the Countess of Dufferin's Fund vice Minister of State for Health and Family Planning.

A. P. ATRI  
Dy. Secy.

**MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE**

**DEPARTMENT OF EDUCATION**

New Delhi, the 29th December 1973

**CORRIGENDUM**

No. F.15-25/72-L.I.—The Resolution No. F. 15-25/72L.I, dated 5th May, 1972, of the Department of Cultural as amended vide Corrigenda of even number dated 21st February, 1973, 6th July, 1973, 26 September, 1973, and 3rd November, 1973 is further amended as under:—

*Para 7*

*Substitute by the following—*

The Committee should submit its report to the Government by 31st March, 1974.

**ORDER**

Ordered that copies of the Corrigendum to the Resolution be communicated to all members of the Committee, Chairman, University Grants Commission, All Vice-Chancellors, Director, Central Hindi Directorate, Prime Minister's Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, and all State Governments, Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Corrigendum to the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. CHATURVEDI  
Dy. Secy.

**MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
(POSTS & TELEGRAPHS BOARD)**

New Delhi-110001, the 22nd December 1973

No. 23/10/73LI.—The President hereby directs that the following further amendment shall be made in the Rules relating to the Postal Life Insurance and Endowment Assurance, namely:—

In clause (i) of Note 10 below Rule 19 of said rules, for the abbreviation and figures "Rs. 10,000" the abbreviation and figures "Rs. 30,000" shall be substituted.

R. N. DEY  
Director  
Postal Life Insurance

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**

New Delhi-1, the 5th November 1973

No. 19/3/72-Press.—The Government of India is pleased to nominate Bawa Shiv Charan Singh, Advocate, High Court, Delhi, also to serve as a Member on the Fact Finding Committee, set up to enquire into the economics of the newspaper industry, vide this Ministry's Resolution No. 19/3/72-Press dated 14th April, 1972.

**ORDER**

Ordered that a copy of the Resolution is forwarded to all Members of the Committee, the Prime Minister's Secretariat and all Ministries. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. J. KIDWAI  
Secy.

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 26th November 1973

**RESOLUTION**

No. U-23011/2/71-MIII.—The Government of India have decided to reconstitute the Central Advisory Board for the Mica Mines Labour Welfare Fund, which was set up in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) Resolution No. 2/11/67-MIII dated the 5th October, 1967. The composition of the reconstituted Board is as follow:—

**CHAIRMAN**

Additional Secretary,  
Ministry of Labour,  
New Delhi

**MEMBERS REPRESENTING GOVERNMENT**

- (i) The Mica Mines Welfare Commissioner, Dhanbad (Bihar).
- (ii) The Mica Mines Welfare Commissioner, Nellore (A.P.).
- (iii) The Mica Mines Welfare Commissioner, Bhilwara (Rajasthan).

**MEMBERS REPRESENTING EMPLOYERS' ORGANISATIONS**

- (i) Shri S. P. Nathany,  
Partner, M/S Nathany Company,  
Bhilwara (Rajasthan).
- (ii) Shri P. Polareddy,  
Narsingaraopet,  
Gudur (A.P.)
- (iii) Shri Basudev Churiwala,  
C/O Kodarma Mica Mining Association,  
Kodarma (Bihar)

**MEMBERS REPRESENTING WORKERS' ORGANISATIONS**

- (i) Shri C. C. Subbaiah,  
General Secretary,  
Andhra Pradesh Mica Labour Union,  
P.O. Gudur, Distt. Nellore (Andhra Pradesh)
- (ii) Shri Chandra Shekar Jha,  
Secretary, Bihar Mica Mazadoor Sangathan  
Giridih (Bihar)
- (iii) Shri G. V. Raghavan,  
Mica Labour Union, P. O. Giridih,  
Distt. Hazaribagh (Bihar)

2. The Board may also co-opt any other person as a member if it considers necessary. The under Secretary in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) shall function as Secretary to the Board.

3. The Board will be a non-statutory body and its functions will be:—

- (i) To advise on the activities of the Fund;
- (ii) To review and coordinate the activities of the Regional Organisations of the Mica Mines Labour Welfare Fund; and
- (iii) To consider any other matter relevant to the Welfare of Mica Mine Workers under the Mica Mines Labour Welfare Fund.

4. The life of the Board will be for a period of three years and it will meet at such place and at such interval as it may consider necessary.

#### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to:—

1. The Government of Bihar, Andhra Pradesh and Rajasthan.
2. The Ministry of Steel and Mines (Department of Mines), New Delhi.
3. All Members of the Board.
4. Employers' and Workers' Organisations concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. K. SAKSENA  
Under Secy.